I.C.S.E

कक्षा : X

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. 'भारतीय नारी' इस विषय पर अपने विचार प्रकट करें।
   भारत में नारियों को हर दृष्टि से पूज्य माना जाता रहा है- 'नारी तू नारायणी' कहा जाता है। संस्कृत में एक श्लोक है - 'यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता: (भावार्थ - जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं।)
2. वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इस आधार पर ग्लोबल वॉर्मिंग (भूमंडलीय ऊष्मीकरण) पर अपने विचार लिखें।

3. आज आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या बन गयी है इस आधार पर 'आतंकवाद की समस्या' पर प्रस्ताव लेखन करें।
4. 'मनुष्य है वही कि जो मनुष्य के लिए मरे' इस सूक्ति पर आधारित अपने विचार प्रकट करें।
5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. माताजी की बीमारी की सूचना अपनी बहन को पत्र द्वारा दीजिए।
2. नेशनल बुक ट्रस्ट के प्रबंधक को पत्र लिखकर हिन्दी में प्रकाशित नवीनतम साहित्य की पुस्तकें भेजने हेतु अनुरोध कीजिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

हमारे देश को आज़ादी दिलाने के लिये कई स्त्रियों ने कडा संघर्ष किया उनमें सरोजनी नायडू का अपना अलग ही स्थान है। उनकी आवाज बेहद मधुर थी, इसी वजह से वह पूरे विश्व में भारत कोकिला के नाम से विख्यात थी। बचपन में वह बेहद मेधावी छात्रा थी। 1905 में गोल्डेन थ्रेशोल्ड शीर्षक से उनकी कविताओं का पहला संग्रह प्रकाशित हुआ था। इसके बाद उनके दूसरे और तीसरे कविता संग्रह 'बर्ड आफ टाइम' तथा 'ब्रोकन विंग्स' ने उन्हे सुप्रसिद्ध कवियत्री बना दिया। 1914 मे इंग्लैंड मे वे पहली बार गाँधी जी से मिली और उनके विचारों से प्रभावित होकर देश के लिये समर्पित हो गई। एक कुशल सेनापति की भाँति उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय आंदोलन, समाज सुधार और कांग्रेस पार्टी के संगठन में दिया। उन्होंने अनेक राष्ट्रीय आंदोलन का नेत्तृत्व किया और कई बार जेल भी गई। पहली महिला राजपाल होने का गौरव प्राप्त हुआ। उन्होंने अपना सारा जीवन देश को समर्पित कर दिया था।

1. अपनी मधुर आवाज़ के कारण सरोजनी नायडू कौन से नाम से विख्यात थी?
2. सरोजनी नायडू ने अपनी प्रतिभा का परिचय कब दिया?
3. सरोजनी नायडू ने कौन- कौन से कविता संग्रह ने उन्हें सुप्रसिद्ध कवियत्री बना दिया?
4. सरोजनी नायडू को कौन सा गौरव प्राप्त हुआ?
5. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

Q.4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - विचार
   - मंगल

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]

- अहंकार
- आज्ञा

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]

- अग्रज
- सामिष
- उदय
- उन्नति

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]

- दास
- मित्र

5. निम्नलिखित मुहावरों मे से किसी एक मुहावरे का वाक्य मे प्रयोग कीजिए :
बल्लियाँ उछलना, लाल-पीला होना [1]

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]
    1. तकदीर गई उसकी फूट। (शब्दों को क्रम से लगाकर उचित वाक्य बनाइए।)
    2. उनका जीवन सुरक्षित था। ('नहीं' प्रयोग कीजिए लेकिन वाक्य का अर्थ न बदले।)
    3. वह अपना काम ईमानदारी से कर रहा है। ('बेईमानी' शब्द का प्रयोग करें।)

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

मनोरमा घबरा उठी। उसने कहा - "चुप रहिए, आपकी तबीयत बिगड़ - रही है, शांत हो जाइए!"

पाठ - संदेह

लेखक - जयशंकर प्रसाद

1. कौन, किसे और क्यों शांत रहने के लिए कह रहा है? [2]
2. मोहनबाबू कौन हैं और वे क्यों परेशान हैं? [2]
3. मोहनबाबू का किससे और क्यों मतभेद था? [3]
4. मोहनबाबू मनोरमा से माफ़ी क्यों माँगते हैं? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

यह इसलिए नहीं कि उसे अपने सास-ससुर, देवर या जेठ आदि से घृणा थी बल्कि उसका विचार था कि यदि बहुत कुछ सहने पर भी परिवार के साथ निर्वाह न हो सके तो आए दिन के कलह से जीवन को नष्ट करने की अपेक्षा अच्छा है कि अपनी खिचड़ी अलग पकाई जाय।

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. बेनी माधव के कितने पुत्र थे उनका परिचय दें। [2]
2. श्रीकंठ कैसे विचारों के व्यक्ति थे? [2]
3. गाँव की स्त्रियाँ श्रीकंठ की निंदक क्यों थीं? [3]

4. आनंदी की सम्मिलित कुंटुब के बारे में राय अपने पति से अलग क्यों थी? [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"अगर पेड़ नहीं काटा जा सकता तो इस आदमी को ही काटकर निकाल लिया जाए।"

पाठ - जामुन का पेड़

लेखक - कृष्ण चंदर

1. प्रस्तुत अवतरण का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]
2. हार्टीकल्चर विभाग ने जामुन के पेड़ काटने से मना क्यों किया? [2]
3. जामुन के पेड़ का मामला हार्टीकल्चर विभाग तक कैसे पहुँचा? [3]
4. उपर्युक्त कथन से हमें लोगों की किस मानसिकता का पता चलता है? [3]

साहित्य सागर

पद्य

Q. 8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

धर्मराज यह भूमि किसी की, नहीं क्रीत है दासी,
हैं जन्मना समान परस्पर, इसके सभी निवासी।
सबको मुक्त प्रकाश चाहिए, सबको मुक्त समीरण,
बाधा-रहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन।
लेकिन विघ्न अनेक सभी इस पथ पर अड़े हुए हैं,
मानवता की राह रोककर पर्वत अड़े हुए हैं।
न्यायोचित सुख सुलभ नहीं जब तक मानव-मानव को,
चैन कहाँ धरती पर तब तक शांति कहाँ इस भव को।

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं

कवि - रामधारी सिंह 'दिनकर'

1. कवि ने भूमि के लिए किस शब्द का प्रयोग किया हैं और क्यों? [2]
2. धरती पर शांति के लिए क्या आवश्यक है? [2]
3. भीष्म पितामह युधिष्ठिर को किस नाम से बुलाते है? क्यों? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : [3]
   - क्रीत
   - जन्मना
   - समीरण
   - भव
   - मुक्त
   - सुलभ

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जीवन अपूर्ण लिए हुए
पाता कभी खोता कभी
आशा निराशा से घिरा,
हँसता कभी रोता कभी
गति-मति न हो अवरुद्ध, इसका ध्यान आठों याम है,
चलना हमारा काम है।

इस विशद विश्व-प्रहार में
किसको नहीं बहना पड़ा
सुख-दुख हमारी ही तरह,
किसको नहीं सहना पड़ा
फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ, मुझ पर विधाता वाम है,
चलना हमारा काम है।

कविता - चलना हमारा काम है
कवि - शिवमंगल सिंह 'सुमन'

1. मनुष्य जीवन में किससे घिरा रहता है? [2]
2. कवि ने जीवन को अपूर्ण क्यों कहा है? [2]
3. फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ, मुझ पर विधाता वाम है' - का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : [3]
   - अपूर्ण
   - आठों याम
   - विशद
   - वाम
   - व्यर्थ
   - अवरुद्ध

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

ऐसो कौ उदार जग माहीं।
बिनु सेवा जो द्रवे दीन पर, राम सरस कोउ नाहीं॥
जो गति जोग बिराग जतन करि नहिं पावत मुनि ज्ञानी।
सो गति देत गीध सबरी कहँ प्रभु न बहुत जिय जानी॥
जो संपति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्हीं।
सो संपदा विभीषण कहँ अति सकुच सहित हरि दीन्ही॥
तुलसीदास सब भांति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो।
तौ भजु राम, काम सब पूरन करहि कृपानिधि तेरो॥

कविता - विनय के पद
कवि - तुलसीदास

1. तुलसीदासजी किसके भजन के लिए कह रहे हैं? [2]
2. श्री राम ने परम गति किस-किस को प्रदान की? [2]
3. रावण को कैसे वैभव प्राप्त हुआ? [3]
4. राम ने कौन-सी संपत्ति विभीषण को दे दी? [3]

एकांकी संचय

Q. 11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो पाती तो कुल धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती। स्वयं उसने मुझसे कहा था, संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. कौन संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रहा और क्यों? [2]
2. माँ ने अपने विचारों के प्रति क्या पश्चाताप किया है? [2]
3. अतुल और उमा माँ के किस निर्णय से प्रसन्न हैं? [3]
4. अविनाश की वधू का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उनके पौरुष की परीक्षा का दिन आ पहुँचा है। महारावल बाप्पा का वंशज मैं लाखा प्रतिज्ञा करता हूँ कि जब तक बूँदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं करूँगा, अन्न जल ग्रहण नहीं करूँगा।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. महाराणा लाखा ने प्रतिज्ञा क्यों ली? [2]
2. किसका वंशज क्या प्रतिज्ञा करता है? [2]
3. किसके पौरुष की परीक्षा का दिन आ गया? [3]
4. महाराणा लाखा जनसभा में क्यों नहीं जाना चाहते? [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"आज कुसमय नाच-रंग की बात सुनकर मेरे मन में शंका हुई थी। इसलिए मैंने कुँवर को वहाँ जाने से रोक दिया था। संभव था कि कुँवर वहाँ जाते और बनवीर अपने सहायकों से कोई काण्ड रख देता।"

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]
2. नाच-रंग का आयोजन किसने और किस उद्धेश्य से किया था? [2]
3. बनवीर कौन है? उसका परिचय देते हुए उसका चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]
4. 'दीपदान' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता बताइए तथा एकांकी के माध्यम से एकांकीकार ने क्या शिक्षा दी है? [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस निमंत्रण - पत्र को हाथ में लेकर वह फिर अतीत की स्मृतियों में डूब गई। वह अपने को अभागन महसूस कर रही थी। कई लड़के उसे देखकर नापसंद का चुके थे यह कल्पना करते ही उसका दिल भर आया। तभी उसने अपने को संभाला और अपनी सहेलियों के साथ बाहर चली गई।

1. यहाँ पर किसका निमंत्रण आया है? [2]
2. अतीत की स्मृतियों में डूब जाने पर मीनू क्यों उदास हो जाती है? [2]
3. कई लड़के उसे देखकर नापसंद कर चुके थे - स्पष्ट कीजिए। [3]
4. मीनू अपनी सहेलियों के साथ कहाँ जा रही है? [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"भइया, मैं सच कह रही हूँ। जवान बेटियों की तो बड़ी भारी जिम्मेदारी होती है। इनकी शादी हो जाएगी तो तुझे कम-कम-से छुट्टी तो मिल जाएगी। फिर रोहित, वह तो लड़का है उसकी कोई ऐसी बात नहीं है।" बुआजी ने बहुत विश्वास के साथ कहा।

1. वह महिला कौन है और भइया को क्या समझा रही है? [2]
2. किसके विवाह की चिंता कर रही है? [2]
3. हमारे समाज में लड़के के विवाह की अपेक्षा लड़की के विवाह को आज इतना महत्त्व क्यों दिया जाता है? [3]
4. प्रस्तुत पंक्तियों के अर्थ अपने शब्दों में व्यक्त करो। [3]

Q.16 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

यह कैसी विचित्र घड़ी होती है। माता-पिता जिस बेटी का लालन-पालन इतने वर्षों तक लाड़-प्यार करते हैं, उसी बेटी को सदा के लिए दूसरे के हाथों में सौंप देते हैं। हर पल रहने वाली बिटिया के लिए वह घर पराया हो जाता है। घर ही क्या, बिटिया भी तो पराया धन ही हो जाती है।

1. यहाँ विचित्र घड़ी से क्या उद्देश्य है? [2]
2. किसका विवाह हो रहा है? [2]
3. वर्षों के लाड़-प्यार के बाद लड़की को बिछुड़ना क्यों पड़ता है? [3]
4. 'बेटी पराया धन होती है' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. 'भारतीय नारी' इस विषय पर अपने विचार प्रकट करें।

भारत में नारियों को हर दृष्टि से पूज्य माना जाता रहा है-
'नारी तू नारायणी' कहा जाता है। संस्कृत में एक श्लोक है - 'यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता: (भावार्थ - जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं।)

इतिहास के कुछ अंधकारमय कालखण्ड को छोड़कर सदा ही नारी के शिक्षा एवं संस्कार को महत्त्व प्रदान किया गया।

भारत में 19 वीं शताब्दी में प्राय: सभी शैक्षिक संस्थाएँ जनता में नेतृत्व करनेवाले व्यक्तियों द्वारा संचालित थीं। इनमें कुछ अँग्रेज व्यक्ति भी थे। उस समय राजा राममोहन राय ने बाल विवाह तथा सती की प्रथा को दूर करने का अथक परिश्रम किया। इन कुप्रथाओं के दूर होने से नारी शिक्षा को प्रोत्साहन मिला। ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने बंगाल में कई स्कूल लड़कियों की शिक्षा के लिए खोले। स्त्री को अबला माना जाता था। परन्तु आज की नारी अबला नहीं। बीते समय में स्त्री का घर से निकलकर नौकरी करना बहुत बुरा माना जाता था। उसे घर में रखी वस्तु के समान ही समझा जाता है। लेकिन जबसे वह शिक्षित हुई है, उसने इस धारणा के खण्ड-खण्ड कर दिया हैं।
बीसवीं सदी के अन्तिम दशक में समाज में आर्थिक सामाजिक बदलाव आए तब नारी के लिए भी नौकरी और शिक्षा के अवसर कंप्यूटर, मिडिया, पत्रकारिता, सेना, डाक्टर, विज्ञान आदि जगह पर भी अपना सिक्का जमा लिया अब नारी कि दुनिया बदल रही है हर क्षेत्र में उसकी योग्यता को सराहा जाता है। नौकरी के साथ आज वह अपना परिवार भी बहुत अच्छी तरह से संभाल रही है। वह एक माँ भी है पत्नी भी प्रेमिका भी पर आज उसका अपना कैरियर भी है वह अब खुले आकाश में अपनी उड़ान भरना चाहती है।

2. वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इस आधार पर ग्लोबल वॉर्मिंग (भूमंडलीय ऊष्मीकरण) पर अपने विचार लिखें।

   ग्लोबल वॉर्मिंग (भूमंडलीय ऊष्मीकरण) का अर्थ धरती के वातावरण के तापमान में लगातार बढ़ोतरी है। ग्लोबल वॉर्मिंग पृथ्वी की निकटस्थक-सतह वायु और महासागर के औसत तापमान में 20वीं शताब्दीं से हो रही वृद्धि और उसकी अनुमानित निरंतरता है। वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि धरती पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी त्रस्त और परेशान है।

वायु मंडल में प्राकृतिक क्रियाओं के फलस्वरुप गैसों का संतुलन बना रहता है ; किंतु आज मनुष्य ने अपने कार्य-कलापों से वायुमंडल को असंतुलित बना दिया है। मानव निर्मित इन गतिविधियों से कार्बन डायआक्साइड, मिथेन, नाइट्रोजन आक्साइड इत्यादि ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है जिससे इन गैसों का आवरण सघन होता जा रहा है।

यही आवरण सूर्य की परावर्तित किरणों को रोक रहा है जिससे धरती के तापमान में वृद्धि हो रही है।

भूमंडलीय तापमान बढ़ने से हिम, नदियों और पहाड़ों की बर्फ़ तेजी से पिघल रही है। इससे महासागर का जल स्तर बढ़ रहा है। ग्लैशियरों की बर्फ के पिघलने से समुद्रों में पानी की मात्रा बढ़ जाएगी जिससे साल-दर-साल उनकी सतह में भी बढ़ोतरी होती जाएगी। समुद्रों की सतह बढ़ने से प्राकृतिक तटों का कटाव शुरू हो जाएगा जिससे एक बड़ा हिस्सा डूब जाएगा। मौसम चक्र में भी बदलाव आ रहा है। गरमी में अधिक गरमी तथा सरदी में अधिक सरदी पड़ रही है। बिना मौसम के बरसात तथा तूफ़ान आ रहे है।

ग्लोबल वार्मिंग रोकने के लिए हम सब को एकजुट होकर इस दिशा कदम बढ़ाने होगे। जंगलों की कटाई को रोकना होगा। हम सभी को अधिक से अधिक पेड़ लगाने होगे। पेट्रोल, डीजल और बिजली का उपयोग कम करके हानिकारक गैसों को कम कर सकते हैं। धुआँ निकालने वाली मशीनों का प्रयोग बंद करना होगा।

3. आज आतंकवाद एक विशवव्यापी समस्या बन गयी है इस आधार पर ‘आतंकवाद की समस्या’ पर प्रस्ताव लेखन करें।

   आज सारे विश्व को आतंकवाद ने घेरा हुआ है। अलग-अलग देशों में हिंसक गतिविधियों के अनेकों कारण हो सकते हैं, परन्तु आमतौर पर यह प्रतिशोध की भावना से शुरू होती है। धीरे-धीरे अपनी बात मनवाने के लिए आतंकवाद का प्रयोग एक हथियार के रुप में किया जाता है। तोड़-फोड़, अपहरण, लूट-खसोट, बलात्कार, हत्या आदि करके अपनी बात मनवाते है। जहाँ तक हमारा देश का सवाल है, दुःख की बात यह है कि स्वतंत्रता के

पश्चात, भारत अपने पड़ोसी देशों कि वजह से एक प्रतिकूल वातावरण का सामना कर रहा है।

आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या बन गयी है जिसकी जड़ें कई देशों में फैलती आ रही है। आतंकवाद ने विश्व के विभिन्न देशों के इतिहास पर बड़ा असर डाला है। उन्होंने राजा महाराजाओं, राजनेताओं, सरकारों और आरंभिक समय में राजवंशों के परिवर्तन को भी प्रेरित किया है। आतंकवादी घटनाओं ने व्यक्तियों तथा राष्ट्रों के भाग्य को-और शायद इतिहास के रुख को भी बदला है।

भारत बहुत समय से आतंकवाद का शिकार रहा है। भारत के कश्मीर, नागालैंड, पंजाब, असम, बिहार आदि विशेषरूप से आतंक से प्रभावित रहे हैं। भारत में आतंकवाद की शुरुआत उसी दिन से हो गई थी जब नागा विद्रोहियों ने अपना झंडा बुलंद किया था। उसके बाद यह आग त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम होते हुए पंजाब तक पहुँच गया। किसी तरह सख्ती करके पंजाब के आतंकवाद पर काबू पाया,पर देश से आतंकवाद पूरी तरह खत्म नहीं हो सका।

आतंकवाद जीवन के सही बोध के अभाव से जन्म लेता है। जब तक मानव जाति को वह बोध उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, मानव जाति को आतंकवाद से मुक्ति मिलने वाली नहीं है। आतंकवाद को समाप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक, सामाजिक आदि सभी स्तरों से प्रयास किए जाने चाहिए।

4. 'मनुष्य है वही कि जो मनुष्य के लिए मरे' इस सूक्ति पर आधारित अपने विचार प्रकट करें।

धर्मशास्त्रों में धर्म का बड़ा महत्त्व है, धर्महीन मनुष्य को शास्त्रकारों ने पशु बतलाया है। मनुष्यता ऐसा धर्म है जिस मार्ग पर चलकर मनुष्य महान कहलाता है और सही मायने में मनुष्य कहलाने का अधिकारी भी होता है। विश्व में प्रेम, शांति, व संतुलन के साथ-साथ मनुष्य जन्म को सार्थक करने के लिए मनुष्य में मानवीय गुणों का होना अति आवश्यक है।

यही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,

वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

मैथिलीशरण गुप्त

'मनुष्यता' कविता में कवि कर्ण, दधीचि ऋषि, रंतिदेव, राजा उशीनर आदि महानुभूतियों का उदाहरण देकर मनुष्य को लोकहित के लिए प्रेरित करते हैं। वह कहते हैं, जो मनुष्य इस संसार में दूसरों की सेवाभाव में अपना जीवन समर्पित करते हैं, वे इस संसार के द्वारा ही नहीं अपितु भगवान के द्वारा भी पूज्यनीय होते हैं।

जो मनुष्य अपने लिए जीता है, वह पृथ्वी में पशु के समान है। क्योंकि पशु के जीवन का उद्देश्य खाना और सोना होता है। भगवान ने मनुष्य को सामर्थ्यवान बनाया है। मनुष्य दूसरों की सेवा करने के स्थान पर पूरा जीवन स्वयं का भरण-पोषण करने में व्यर्थ करता है, तो वह मनुष्य कहलाने लायक नहीं है। प्राचीनकाल से ही ऋषि-मुनियों द्वारा लोगों को परोपकार करने के लिए कहा जाता है। वही मनुष्य परोपकार कर सकता है, जिसके अंदर इंसानियत या मानवता का गुण विद्यमान है। दुनिया में शांति, अहिंसा, सहनशीलता, भाई चारे का संदेश फैलाना चाहिए। पेड़-पौधों, हरियाली, पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए है। सभी पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं के प्रति करूणा की भावना रखनी चाहिए। सब पर दया करना। मनुष्यता एक इंसान का दूसरे इंसान पर विश्वास बनाती है। प्रेम, भाईचारे का भाव फैलाती है।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

उपर्युक्त चित्र सहायता से संबंधित है। यहाँ पर चार अलग-अलग चित्र है। पहले में दो लोग मिलकर तीसरे की सहायता कर रहे हैं तो दूसरे चित्र में एक व्यक्ति धन देकर दूसरे की सहायता कर रहा है। तीसरे चित्र में व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को ऊपर चढ़ने में सहायता कर रहा है तो चौथे चित्र में एक व्यक्ति अपना छाता दूसरे को देकर बरसात में उसकी सहायता कर रहा है। इस चित्र में एक दूसरे की सहायता का पाठ पढ़ाया गया है।
परोपकार एक सर्वश्रेष्ठ भावना है। परोपकार से तात्पर्य दूसरों की सहायता करने से है। हमें प्रकृति से परोपकार का संदेश लेना चाहिए। सूर्य, चंद्रमा, तारे, आकाश, वायु, अग्नि, जल, पृथ्वी, पेड़ आदि दिन-रात मनुष्य के कल्याण में लगे हुए हैं। ये सभी दूसरों के उपकार के लिए कुछ न कुछ देते हैं। सेवा या परोपकार की भावना चाहे देश के प्रति हो या किसी व्यक्ति के प्रति, वह मानवता है। परोपकार से ही ईश्वर प्राप्ति का मार्ग खुलता है। व्यक्ति जितना परोपकारी बनता है, उतना ही ईश्वर की समीपता प्राप्त करता है। परोपकार से मनुष्य जीवन की शोभा प्राप्त करता है। परोपकार से मनुष्य जीवन की शोभा और महिमा बढ़ती है। सच्चा परोपकारी सदा प्रसन्न रहता है। वह दूसरे का कार्य करके हर्ष की अनुभूति करता है।" दुनिया में शांति, अहिंसा, सहनशीलता, भाई चारे का संदेश

फैलाना चाहिए। पेड़-पौधों, हरियाली, पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए है। सभी पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं के प्रति करूणा की भावना रखनी चाहिए। परोपकार की भावना से ही हम एक उत्तम राष्ट्र और विश्व का निर्माण कर सकते हैं।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. माताजी की बीमारी की सूचना अपनी बहन को पत्र द्वारा दीजिए।

   लाला लाजपत राय भवन

   दिल्ली।

   दिनाँक : 5 फरवरी, 20- -

   प्रिय बहन

   मधुर प्यार

   तुम्हारी कुशलता की कामना करते हुए यह पत्र लिखना आरंभ कर रही हूँ। तुम्हें यह बताना था कि पिछले कुछ दिनों से माता जी की तबियत कुछ ठीक नहीं है। कल दूसरे डाक्टर को दिखाया, तो खून की कमी बताई। डाक्टर के कहे अनुसार इलाज़ शुरु का दिया है।

   तुम चिंता न करना। आशा है कि माता जी कुछ दिनों में बिल्कुल ठीक हो जाएँगी।

   तुम्हारी बड़ी बहन

   मीरा व्यास

2. नेशनल बुक ट्रस्ट के प्रबंधक को पत्र लिखकर हिन्दी में प्रकाशित नवीनतम साहित्य की पुस्तकें भेजने हेतु अनुरोध कीजिए।

   राम भवन

   सोलापुर

   दिनाँक - 15 मार्च 2015

सेवा में,
प्रबंधक
नेशनल बुक ट्रस्ट
दरियागंज
नई दिल्ली

विषय : पुस्तकें मँगवाने हेतु प्रार्थना पत्र।
महोदय,
मुझे हिन्दी में प्रकाशित इस महीने की नवीनतम पुस्तकें जल्दी ही चाहिए। मैंने पुस्तकों की अग्रिम राशि रूपए 2500 भी दिनाँक 10 मार्च को मनी आर्डर से भेज दी है। अत: आपसे निवेदन है कि मुझे जल्द-से-जल्द पुस्तकों वी.पी.पी से भेजने का प्रयास करें।
धन्यवाद।
भवदीय
सौरभ चटर्जी

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :
हमारे देश को आज़ादी दिलाने के लिये कई स्त्रियों ने कडा संघर्ष किया उनमें सरोजनी नायडू का अपना अलग ही स्थान है। उनकी आवाज बेहद मधुर थी, इसी वजह से वह पूरे विश्व में भारत कोकिला के नाम से विख्यात थी। बचपन में वह बेहद मेधावी छात्रा थी। 1905 में गोल्डेन थ्रेशोल्ड शीर्षक से उनकी कविताओं का पहला संग्रह प्रकाशित हुआ था। इसके बाद उनके दूसरे और तीसरे कविता संग्रह 'बर्ड आफ टाइम' तथा 'ब्रोकन विंग्स' ने उन्हे सुप्रसिद्ध कवियत्री बना दिया। 1914 मे इंग्लैंड मे वे पहली बार गाँधी जी से मिली और उनके विचारों से प्रभावित होकर देश के लिये समर्पित हो गई। एक कुशल सेनापति की भाँति उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय आंदोलन, समाज सुधार और कांग्रेस पार्टी के संगठन में दिया। उन्होंने अनेक राष्ट्रीय आंदोलन का

नेत्तृत्व किया और कई बार जेल भी गई। पहली महिला राजपाल होने का गौरव प्राप्त हुआ। उन्होंने अपना सारा जीवन देश को समर्पित कर दिया था।

1. अपनी मधुर आवाज़ के कारण सरोजनी नायडू कौन से नाम से विख्यात थी?

   उत्तर : अपनी मधुर आवाज़ के कारण सरोजनी नायडू 'भारत कोकिला' के कौन से नाम से विख्यात थीं।

2. सरोजनी नायडू ने अपनी प्रतिभा का परिचय कब दिया?

   उत्तर : सरोजनी नायडू ने अपनी प्रतिभा का परिचय आंदोलन, समाज सुधार और कांग्रेस पार्टी के संगठन में दिया।

3. सरोजनी नायडू ने कौन- कौन से कविता संग्रह ने उन्हें सुप्रसिद्ध कवियत्री बना दिया?

   उत्तर : 1905 में गोल्डेन थ्रेशोल्ड शीर्षक से उनकी कविताओं का पहला संग्रह प्रकाशित हुआ था। इसके बाद उनके दूसरे और तीसरे कविता संग्रह 'बर्ड आफ टाइम' तथा 'ब्रोकन विंग्स' ने उन्हे सुप्रसिद्ध कवियत्री बना दिया।

4. सरोजनी नायडू को कौन सा गौरव प्राप्त हुआ?

   उत्तर : सरोजनी नायडू को पहली महिला राजपाल होने का गौरव प्राप्त हुआ।

5. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

   उत्तर : 'भारत कोकिला' सरोजनी नायडू इस गद्यांश के लिए उचित शीर्षक है।

Q.4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
    - विचार - वैचारिक
    - मंगल - मांगलिक

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
    - अहंकार - अभिमान, दंभ
    - आज्ञा - आदेश, निर्देश

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
    - अग्रज - अनुज
    - सामिष - निरामिष
    - उदय - अस्त
    - उन्नति - अवनति

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
    - दास -दासता
    - मित्र -मित्रता

5. निम्नलिखित मुहावरों मे से किसी एक मुहावरे का वाक्य मे प्रयोग कीजिए :

    बल्लियाँ उछलना, लाल-पीला होना [1]

    i. इंजीनियर की प्रवेश परीक्षा में सफल होने की खबर सुनकर रोहन <u>बल्लियों उछलने लगा</u>।

    ii. इतनी साधारण बात पर इतने <u>लाल-पीले</u> क्यों हो रहे हो?

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]

1. तकदीर गई उसकी फूट। (शब्दों को क्रम से लगाकर उचित वाक्य बनाइए।)

   उत्तर : उसकी तकदीर फूट गई।

2. उनका जीवन सुरक्षित था। ('नहीं' प्रयोग कीजिए लेकिन वाक्य का अर्थ न बदले।)

   उत्तर : उनका जीवन असुरक्षित नहीं था।

3. वह अपना काम ईमानदारी से कर रहा है। ('बेईमानी' शब्द का प्रयोग करें।)

   उत्तर : वह अपना काम बेईमानी से नहीं कर रहा है।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

मनोरमा घबरा उठी। उसने कहा - "चुप रहिए, आपकी तबीयत बिगड़ - रही है, शांत हो जाइए!"

पाठ - संदेह

लेखक - जयशंकर प्रसाद

1. कौन, किसे और क्यों शांत रहने के लिए कह रहा है? [2]

   उत्तर : यहाँ पर मनोरमा अपने पति मोहनबाबू को शांत रहने के लिए कह रही है। नाव पर घूमते समय बातों ही बातों में मोहनबाबू उत्तेजित हो जाते हैं और अजनबी रामनिहाल के सामने कुछ भी

कहने लगते हैं इसलिए उनकी पत्नी मनोरमा चाहती है कि उसके पति शांत रहे।

2. मोहनबाबू कौन हैं और वे क्यों परेशान हैं? [2]

उत्तर : मोहनबाबू रामनिहाल के दफ़्तर के मालिक थे।
मोहनबाबू को संदेह था कि उनकी पत्नी मनोरमा और दफ़्तर में काम करने वाले उनके निकट संबंधी बृजकिशोर मिलकर उसके खिलाफ़ षडयंत्र रच रहे और उन्हें पागल साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए मोहनबाबू परेशान थे।

3. मोहनबाबू का किससे और क्यों मतभेद था? [3]

उत्तर : मोहनबाबू का अपनी पत्नी से वैचारिक स्तर पर मतभेद था।
मोहनबाबू किसी भी विचार को दार्शनिक रूप से प्रकट करते थे जिसे उनकी पत्नी समझ नहीं पाती थी और यही उनके मतभेद का कारण था।

4. मोहनबाबू मनोरमा से माफ़ी क्यों माँगते हैं? [3]

उत्तर : नाव पर घूमते समय बातों ही बातों में मोहनबाबू का अपनी पत्नी से मतभेद हो जाता है और जिसके परिणास्वरूप वे अपनी पत्नी पर संदेह करते हैं ये बात अजनबी रामनिहाल के सामने प्रकट कर देते हैं। जब मोहनबाबू थोड़ा शांत हो जाते हैं तो उन्हें अपनी गलती का अहसास हो जाता है तब वे अपनी पत्नी से माफ़ी माँगते हैं।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

यह इसलिए नहीं कि उसे अपने सास-ससुर, देवर या जेठ आदि से घृणा थी बल्कि उसका विचार था कि यदि बहुत कुछ सहने पर भी परिवार के साथ

निर्वाह न हो सके तो आए दिन के कलह से जीवन को नष्ट करने की अपेक्षा अच्छा है कि अपनी खिचड़ी अलग पकाई जाय।

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. बेनी माधव के कितने पुत्र थे उनका परिचय दें। [2]

उत्तर : बेनी माधव के दो बेटे थे बड़े का नाम श्रीकंठ था। उसने बहुत दिनों के परिश्रम और उद्योग के बाद बी.ए. की डिग्री प्राप्त की थी और इस समय वह एक दफ़्तर में नौकर था। छोटा लड़का लाल बिहारी सिंह दोहरे बदन का सजीला जवान था।

2. श्रीकंठ कैसे विचारों के व्यक्ति थे? [2]

उत्तर : श्रीकंठ बी.ए. इस अंग्रेजी डिग्री के अधिपति होने पर भी पाश्चात्य सामजिक प्रथाओं के विशेष प्रेमी न थे, बल्कि वे बहुधा बड़े जोर से उसकी निंदा और तिरस्कार किया करते थे। वे प्राचीन सभ्यता का गुणगान उनकी प्रकृति का प्रधान अंग था। सम्मिलित कुंटुब के तो वे एक मात्र उपासक थे। आजकल स्त्रियों में मिलजुलकर रहने में जो अरुचि थी श्रीकंठ उसे जाति और समाज के लिए हानिकारक समझते थे।

3. गाँव की स्त्रियाँ श्रीकंठ की निंदक क्यों थीं? [3]

उत्तर : श्रीकंठ स्त्रियों में मिलजुलकर रहने में जो अरुचि थी उसे जाति और समाज के लिए हानिकारक समझते थे। वे प्राचीन सभ्यता का गुणगान और सम्मिलित कुंटुब के उपासक थे। इसलिए गाँव की स्त्रियाँ श्रीकंठ की निंदक थीं। कोई-कोई तो उन्हें अपना शत्रु समझने में भी संकोच नहीं करती थीं।

4. आनंदी की सम्मिलित कुंटुब के बारे में राय अपने पति से अलग क्यों थी? [3]

उत्तर : आनंदी स्वभाव से बड़ी अच्छी स्त्री थी। वह घर के सभी लोगों का सम्मान और आदर करती थी परंतु उसकी राय संयुक्त परिवार के बारे में अपने पति से ज़रा अलग थी। उसके अनुसार यदि बहुत कुछ समझौता करने पर भी परिवार के साथ निर्वाह करना मुश्किल हो तो अलग हो जाना ही बेहतर है।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

“अगर पेड़ नहीं काटा जा सकता तो इस आदमी को ही काटकर निकाल लिया जाए।”

पाठ - जामुन का पेड़

लेखक - कृष्ण चंदर

1. प्रस्तुत अवतरण का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

   उत्तर : सेक्रेटेरियेट के लॉन में लगा पेड़ आँधी के कारण रात में गिर पड़ा और उसके नीचे एक आदमी दब गया। और उस पेड़ को हार्टीकल्चर विभाग ने काटने से मना कर दिया तब उपर्युक्त संवाद वहाँ पर खड़े एक मनचले और असंवेदनशील आदमी द्वारा कहा गया है।

2. हार्टीकल्चर विभाग ने जामुन के पेड़ काटने से मना क्यों किया? [2]

   उत्तर : हार्टीकल्चर विभाग के सेक्रेटेरी का कहना था कि उनका विभाग आज जहाँ पेड़ लगाओ की स्कीम ऊँचें स्तर पर चला रही है वहाँ पर जामुन के इस फलदार पेड़ को काटने की अनुमति उसके विभाग द्वारा कभी भी नहीं दी जा सकती।

3. जामुन के पेड़ का मामला हार्टीकल्चर विभाग तक कैसे पहुँचा? [3]

   उत्तर : सेक्रेटेरियेट के लॉन में लगा पेड़ आँधी के कारण रात में गिर पड़ा और उसके नीचे एक आदमी दब गया। वह पेड़ कृषि विभाग के

जामुन के पेड़ का मामला हार्टीकल्चर विभाग को भेज दिया।

4. उपर्युक्त कथन से हमें लोगों की किस मानसिकता का पता चलता है? [3]
उत्तर : उपर्युक्त कथन से हमें लोगों की संवेदनशून्य होती मानसिकता का पता चलता है। जामुन के पेड़ के पास खड़ी भीड़ को उसके नीचे दबे व्यक्ति से कोई सहानुभूति नहीं होती उल्टे वे उस व्यक्ति का मजाक उड़ाते हैं। वे ये भी नहीं सोचते कि इस तरह के मजाक से व्यक्ति को कितनी तकलीफ हो रही होगी कि जब आप किसी जिंदा व्यक्ति को काटने की बात कर रहे हो।

साहित्य सागर
पद्‌य

Q. 8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्‌यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

धर्मराज यह भूमि किसी की, नहीं क्रीत है दासी,
हैं जन्मना समान परस्पर, इसके सभी निवासी।
सबको मुक्त प्रकाश चाहिए, सबको मुक्त समीरण,
बाधा-रहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन।
लेकिन विघ्न अनेक सभी इस पथ पर अड़े हुए हैं,
मानवता की राह रोककर पर्वत अड़े हुए हैं।
न्यायोचित सुख सुलभ नहीं जब तक मानव-मानव को,
चैन कहाँ धरती पर तब तक शांति कहाँ इस भव को।

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं
कवि - रामधारी सिंह 'दिनकर'

1. कवि ने भूमि के लिए किस शब्द का प्रयोग किया हैं और क्यों? [2]

उत्तर : कवि ने भूमि के लिए 'क्रीत दासी' शब्द का प्रयोग किया हैं क्योंकि किसी की क्रीत (खरीदी हुई) दासी नहीं है। इस पर सबका समान रूप से अधिकार है।

2. धरती पर शांति के लिए क्या आवश्यक है? [2]

उत्तर : धरती पर शांति के लिए सभी मनुष्य को समान रूप से सुख-सुविधाएँ मिलनी आवश्यक है।

3. भीष्म पितामह युधिष्ठिर को किस नाम से बुलाते है? क्यों? [3]

उत्तर : भीष्म पितामह युधिष्ठिर को 'धर्मराज' नाम से बुलाते है क्योंकि वह सदैव न्याय का पक्ष लेता है और कभी किसी के साथ अन्याय नहीं होने देता।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- क्रीत - खरीदी हुई
- जन्मना - जन्म से
- समीरण - वायु
- भव - संसार
- मुक्त - स्वतंत्र
- सुलभ - आसानी से प्राप्त

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जीवन अपूर्ण लिए हुए
पाता कभी खोता कभी
आशा निराशा से घिरा,
हँसता कभी रोता कभी

गति-मति न हो अवरुद्ध, इसका ध्यान आठों याम है,
चलना हमारा काम है।

इस विशद विश्व-प्रहार में
किसको नहीं बहना पड़ा
सुख-दुख हमारी ही तरह,
किसको नहीं सहना पड़ा
फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ, मुझ पर विधाता वाम है,
चलना हमारा काम है।

कविता - चलना हमारा काम है
कवि - शिवमंगल सिंह 'सुमन'

1. मनुष्य जीवन में किससे घिरा रहता है? [2]
उत्तर : मनुष्य जीवन में आशा और निराशा से घिरा रहता है।

2. कवि ने जीवन को अपूर्ण क्यों कहा है? [2]
उत्तर : मनुष्य जीवन में कभी सुख तो कभी दुःख आते है। कभी कुछ पाता है तो कभी खोता है। आशा और निराशा से घिरा रहता है। इसलिए कवि ने जीवन को अपूर्ण कहा है।

3. फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ, मुझ पर विधाता वाम है' - का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]
उत्तर : कवि के अनुसार इस संसार में हर व्यक्ति को सुख और दुख सहना पड़ता है और ईश्वर के आदेश के अनुसार चलना पड़ता है। इसीलिए कवि कहता है कि दुःख आने पर में क्यों कहता फिरूँ के मुझसे विधाता रुष्ट है।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]
- अपूर्ण - जो पूरा न हो

- आठों याम - आठ पहर
- विशद - बड़े
- वाम - विरुद्ध
- व्यर्थ - बेकार में
- अवरुद्ध - रुका हुआ

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

ऐसो कौ उदार जग माहीं।
बिनु सेवा जो द्रवे दीन पर, राम सरस कोउ नाहीं॥
जो गति जोग बिराग जतन करि नहिं पावत मुनि ज्ञानी।
सो गति देत गीध सबरी कहँ प्रभु न बहुत जिय जानी॥
जो संपति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्हीं।
सो संपदा विभीषण कहँ अति सकुच सहित हरि दीन्ही॥
तुलसीदास सब भांति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो।
तौ भजु राम, काम सब पूरन करहि कृपानिधि तेरो॥

कविता - विनय के पद

कवि - तुलसीदास

1. तुलसीदासजी किसके भजन के लिए कह रहे हैं? [2]
   उत्तर : तुलसीदासजी भगवान श्री राम के भजन के लिए कह रहे हैं।

2. श्री राम ने परम गति किस-किस को प्रदान की? [2]
   उत्तर : श्री राम ने जटायु जैसे सामान्य गीध पक्षी और शबरी जैसी सामान्य स्त्री को परम गति प्रदान की।

3. रावण को कैसे वैभव प्राप्त हुआ? [3]

उत्तर : रावण ने भगवान शंकर को अपने दस सिर अर्पण करके वैभव की प्राप्ति की।

4. राम ने कौन-सी संपत्ति विभीषण को दे दी? [3]

उत्तर : रावण ने जो संपत्ति अपने दस सिर अर्पण करके प्राप्त की थी उसे श्री राम ने अत्यंत संकोच के साथ विभीषण को दे दी।

एकांकी संचय

Q. 11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो पाती तो कुल धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती। स्वयं उसने मुझसे कहा था, संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. कौन संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रहा और क्यों? [2]

उत्तर : यहाँ पर अतुल और अविनाश की माँ हिन्दू समाज की रूढ़िवादी संस्कारों से ग्रस्त हैं। वे संस्कारों की दास हैं। एक मध्यम परिवार में अपने पुराने संस्कारों की रक्षा करना धर्म माना जाता है। इसलिए माँ संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रही।

2. माँ ने अपने विचारों के प्रति क्या पश्चाताप किया है? [2]

उत्तर : माँ ने अपने रूढ़ीवादी विचारों के कारण अपने बेटे-बहू से बिछड़ने का पश्चाताप किया है।

3. अतुल और उमा माँ के किस निर्णय से प्रसन्न हैं? [3]

उत्तर : जब माँ को अविनाश की पत्नी की बीमारी की सूचना मिलती है तब उसका हृदय मातृत्व की भावना से भर उठता है। उसे इस बात का आभास है कि यदि बहू को कुछ हो गया तो अविनाश नहीं बचेगा। माँ को पता है कि अविनाश को बचाने की शक्ति केवल उसी में है। इसलिए वह प्राचीन संस्कारों के बाँध को तोड़कर अपने बेटे के पास जाना चाहती है।

4. अविनाश की वधू का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

उत्तर : अविनाश की वधू बहुत भोली और प्यारी थी, जो उसे एक बार देख लेता उसके रूप पर मंत्रमुग्ध हो जाता। बड़ी-बड़ी काली आँखें उनमें शैशव की भोली मुस्कराहट उसके रूप तथा बड़ों के प्रति आदर के भाव ने अतुल और उमा को प्रभावित किया।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उनके पौरुष की परीक्षा का दिन आ पहुँचा है। महारावल बाप्पा का वंशज मैं लाखा प्रतिज्ञा करता हूँ कि जब तक बूँदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं करूँगा, अन्न जल ग्रहण नहीं करूँगा।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण ‘प्रेमी’

1. महाराणा लाखा ने प्रतिज्ञा क्यों ली? [2]

उत्तर : मेवाड़ नरेश महाराणा लाखा ने सेनापति अभी सिंह से बूँदी के राव हेमू के पास यह संदेश भिजवाया कि बूँदी मेवाड़ की अधीनता स्वीकार करे ताकि राजपूतों की असंगठित शक्ति को संगठित करके एक सूत्र में बाँधा जा सके, परंतु राव ने यह कहकर प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया कि बूँदी महाराणाओं का आदर तो करता है,

पर स्वतंत्र रहना चाहता है। हम शक्ति नहीं प्रेम का अनुशासन करना चाहते हैं। यह सुन कर राणा लाख प्रतिज्ञा करते हैं।

2. किसका वंशज क्या प्रतिज्ञा करता है? [2]

उत्तर : महारावल बाप्पा का वंशज महाराणा लाखा प्रतिज्ञा करते है कि 'जब तक बूँदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं करूँगा, अन्न जल ग्रहण नहीं करूँगा।'

3. किसके पौरुष की परीक्षा का दिन आ गया? [3]

उत्तर : मेवाड़ के सैनिकों के लिये युद्ध-भूमि में वीरता दिखाने की परीक्षा का दिन आ गया।

4. महाराणा लाखा जनसभा में क्यों नहीं जाना चाहते? [3]

उत्तर : मेवाड़ के शासक महाराणा लाखा को नीमरा के युद्ध के मैदान में बूँदी के राव हेमू से पराजित होकर भागना पड़ा, इसलिए अपने को धिक्कारते हैं, और आत्मग्लानि अनुभव करने के कारण जनसभा में भी नहीं जाना चाहते।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"आज कुसमय नाच-रंग की बात सुनकर मेरे मन में शंका हुई थी। इसलिए मैंने कुँवर को वहाँ जाने से रोक दिया था। संभव था कि कुँवर वहाँ जाते और बनवीर अपने सहायकों से कोई काण्ड रख देता।"

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन की वक्ता पन्ना धाय माँ है। वक्ता स्वर्गीय महाराणा साँगा का सबसे छोटे पुत्र उदयसिंह की धाय माँ है। उसकी माँ की मृत्यु के पश्चात से पन्ना धाय जो कि महाराज की सेविका थी उसने उसे माँ की तरह पाला।

2. नाच-रंग का आयोजन किसने और किस उद्धेश्य से किया था? [2]

उत्तर : नाच रंग का आयोजन बनवीर द्‌वारा किया गया था। बनवीर महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र था जिसे महाराणा साँगा की मृत्यु के पश्चात राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। बनवीर का इस नाच-गाने की आड़ में राज्य के असली उतराधिकारी कुंवर उदयसिंह को अपने रास्ते से हटाना उसका उद्देश्य था।

3. बनवीर कौन है? उसका परिचय देते हुए उसका चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

उत्तर : बनवीर महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज का दासी पुत्र था। महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा। बनवीर अति महत्त्वाकांक्षी था। जिस राज्य की देखभाल का जिम्मा उसे सौंपा गया था उसी पर अपनी सत्ता कायम करने के लिए कुटिल योजनाएँ बनाने लगा यहाँ तक कि वह रास्ते में आने वाले है हर व्यक्ति को समाप्त करने लगा। उसने कुंवर उदयसिंह को मारने की योजना को पूरा करने के लिए राज्य के विश्वासपात्रों को भी अपनी ओर मिलाने का भरसक प्रयास किया। इन सब बातों से पता चलता है कि बनवीर अत्यंत क्रूर, निर्दयी, स्वार्थी और कपट से परिपूर्ण व्यक्ति था।

से एकांकीकार ने क्या शिक्षा दी है? [3]

उत्तर : इस कहानी की शुरुवात में दीपदान की बात आती है। राज्य में एक अनोखा दीपोत्सव मनाया जाता है जिसकी आड़ में कुँवर की हत्या करना था। स्वामिभक्त पन्ना धाय अपने बेटे का बलिदान कर एक दीपदान करती है। उसका यह दीपदान सर्वोच्च कोटि का होता है। जहाँ वह राज्य के उत्तराधिकारी को बचाने के लिए अपनी ममता को भी ताक पर रख देती है। पूरी कहानी बनवीर और पन्ना धाय के दीपदान पर केन्द्रित होने के कारण यह शीर्षक सर्वथा उचित है।

इस एकांकी के माध्यम से एकांकीकार देशप्रेम, त्याग, बलिदान और कर्तव्यपरायणता की शिक्षा दी है। स्वामिभक्ति के सामने अपने निजी स्वार्थों की भी बलि देनी पड़ती है यह पन्ना धाय के माध्यम से बताया गया है जो एकांकी की मूल शिक्षा है।

नया रास्ता
(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस निमंत्रण - पत्र को हाथ में लेकर वह फिर अतीत की स्मृतियों में डूब गई। वह अपने को अभागन महसूस कर रही थी। कई लड़के उसे देखकर नापसंद का चुके थे यह कल्पना करते ही उसका दिल भर आया। तभी उसने अपने को संभाला और अपनी सहेलियों के साथ बाहर चली गई।

1. यहाँ पर किसका निमंत्रण आया है? [2]

उत्तर : यहाँ पर मीनू की अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण आया है।

2. अतीत की स्मृतियों में डूब जाने पर मीनू क्यों उदास हो जाती है? [2]

उत्तर : मीनू को जब उसकी अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण पत्र आता है तब वह उसे अतीत की बातें याद आने लगती है कि किस प्रकार अतीत में कई बार उसे कई लड़के ना-पसंद कर चुके थे। उन बातों को याद कर मीनू उदास हो जाती है।

3. कई लड़के उसे देखकर नापसंद कर चुके थे - स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : मीनू साधारण नैन-नक्श की साँवले रंग-रूप की लड़की थी जिसके कारण उसे कोई भी पसंद नहीं कर रहा था। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि मीनू गुणों से भरी हुई लड़की थी पर सभी ऊपरी चमक-दमक को ही महत्त्व दे रहे थे।

4. मीनू अपनी सहेलियों के साथ कहाँ जा रही है? [3]

उत्तर : मीनू को उसकी अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण पत्र आता है। तब वह अतीत की यादों में खो जाती है और उदास हो जाती है परंतु फिर अपनी स्थिति को संभाल कर अपनी सहेलियों के साथ पूर्वनियोजित योजनानुसार बाहर चली जाती है।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"भइया, मैं सच कह रही हूँ। जवान बेटियों की तो बड़ी भारी जिम्मेदारी होती है। इनकी शादी हो जाएगी तो तुझे कम-कम-से छुट्टी तो मिल जाएगी। फिर रोहित, वह तो लड़का है उसकी कोई ऐसी बात नहीं है।" बुआजी ने बहुत विश्वास के साथ कहा।

1. वह महिला कौन है और भइया को क्या समझा रही है? [2]

उत्तर : वह महिला मीनू की बुआ है। वह अपने भइया को बेटियों के विवाह का महत्त्व समझा रही है। बुआ के अनुसार बेटियों के शादी हो जाने से माता-पिता को बहुत बड़े कामों से मुक्ति मिल जाती है।

2. किसके विवाह की चिंता कर रही है? [2]

उत्तर : बुआ अपनी भतीजी मीनू और आशा की विवाह की चिंता कर रही है। मीनू और आशा के पिता की तबियत भी खराब खराब रहती थी और ऊपर से अभी तक मीनू और आशा का विवाह भी न हुआ था अत: बुआ इनके विवाह की चिंता कर रही है।

3. हमारे समाज में लड़के के विवाह की अपेक्षा लड़की के विवाह को आज इतना महत्त्व क्यों दिया जाता है? [3]

उत्तर : हमारे समाज में स्त्री को दोयम दर्जे का समझा जाता है। माता-पिता बेटी को एक भार और बोझ समझते हैं। बेटी को पराया धन समझा जाता है। उसके विपरीत बेटे को घर का चिराग और कुलदीपक समझा जाता है। और यही कारण है कि लड़की के विवाह को हमारे समाज में इतना अधिक महत्त्व दिया जाता है। माता-पिता को लगता है कि बेटी के विवाह से उनके सिर से एक बड़ी भारी जिम्मेदारी उतर जाएगी।

4. प्रस्तुत पंक्तियों के अर्थ अपने शब्दों में व्यक्त करो। [3]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों का अर्थ यह है कि बेटियाँ माता-पिता की बड़ी जिम्मेदारियाँ होती है। वे उनका विवाह करके ही इस जिम्मेदारी से मुक्त हो सकते हैं।

Q.16 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

यह कैसी विचित्र घड़ी होती है। माता-पिता जिस बेटी का लालन-पालन इतने वर्षों तक लाड़-प्यार करते हैं, उसी बेटी को सदा के लिए दूसरे के हाथों में सौंप देते हैं। हर पल रहने वाली बिटिया के लिए वह घर पराया हो जाता है। घर ही क्या, बिटिया भी तो पराया धन ही हो जाती है।

1. यहाँ विचित्र घड़ी से क्या उद्देश्य है? [2]

उत्तर : यहाँ पर विचित्र घड़ी से उद्देश्य बेटी के विवाह से है। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि जिस बेटी का माता-पिता लालन-पालन बड़े ही प्यार से करते हैं अंत में एक दिन वे उसे किसी दूसरे के हाथों कैसे सौंप पाते हैं।

2. किसका विवाह हो रहा है? [2]

उत्तर : यहाँ पर मीनू की छोटी बहन आशा का विवाह हो रहा है।

3. वर्षों के लाड़-प्यार के बाद लड़की को बिछुड़ना क्यों पड़ता है? [3]

उत्तर : हमारे समाज में बेटी पराया धन मानी जाती है। प्रत्येक माता-पिता एक अमानत के तौर पर बेटी की देखभाल करते हैं। इसलिए वर्षों के लाड़-प्यार के बाद लड़की को बिछुड़ना पड़ता है।

4. 'बेटी पराया धन होती है' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : बेटी पराया धन होती है इसका अर्थ यह है कि बेटियों का बड़े प्यार से लालन-पालन किया जाता है और एक दिन उनका विवाह होकर वे दूसरों के घर चली जाती है इसलिए उन्हें पराया धन कहा जाता है।